web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, गुरुवार 25 जुलाई 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-06, अंक- 298

बजट में रेलवे के लिए पूंजीगत व्यय के रूप में 2,62,200 करोड़ रुपए का रिकॉर्ड आवंटन

नई दिल्ली । आरएनएस

केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज कहा कि अर्थव्यवस्था आज पहले से कहीं अधिक लचीली है और मजबूत स्थिति में है। उन्होंने कहा कि आज की अर्थव्यवस्था कल्याण, राजकोषीय विवेक, पूंजी निवेश और विनिर्माण में निवेश का संयोजन है। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री द्वारा आज प्रस्तुत बजट प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की समावेशी विकास पर केंद्रित आर्थिक नीतियों की निरंतरता है, जो पिछले दस वर्षों में इस सरकार का मुख्य आधार रही है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार ने रेलवे को विश्वस्तरीय बनाने पर विशेष जोर दिया है। केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने आज संसद में केंद्रीय बजट 2024-25 पेश किया। इस वित्त वर्ष 2024-25 के लिए सरकार ने रेलवे के लिए रिकॉर्ड 2,62,200 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय आवंटित किया है। 2024-25 के दौरान रेलवे के लिए सकल बजटीय समर्थन 2,52,200 करोड़ रुपये है। इससे पहले, 2023-24 में सकल बजटीय सहायता 2,40,200 करोड़ रुपये होगी जो 2013-14 में केवल 28,174 करोड़ रुपये थी। पूंजीगत व्यय के परिणाम स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं क्योंकि भारतीय रेलवे ने वित्त वर्ष 2023-24 में 1588 मीट्रिक टन का सर्वकालिक उच्च माल लदान हासिल किया है जो 2014-15 में 1095 मीट्रिक टन था और रेलवे 2030 तक 3,000 मीट्रिक टन के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। रेलवे ने 2023-24 में 2,56,093 करोड़ रुपये की सर्वकालिक उच्च कुल प्राप्तियां हासिल कीं और पूंजीगत व्यय के पूरक के लिए 3,260 करोड़ रुपये का शुद्ध राजस्व उत्पन्न किया।

बाद में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, मैं माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण को रेलवे के लिए 2,62,200 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड आवंटन के लिए धन्यवाद देता हूं। रेलवे में सुरक्षा संबंधी गतिविधियों के लिए एक महत्वपूर्ण निधि निर्धारित की गई है। इस सरकार के तीसरे कार्यकाल में रेलवे को बढ़ावा मिलना जारी है।

रेलवे ने बुनियादी ढांचे में भी कई उपलब्धियां हासिल की हैं। पिछले 10 वर्षों में रेलवे ने 31,180 किलोमीटर ट्रैक चालू किए हैं। ट्रैक बिछाने की गति 2014-15 में 4 किलोमीटर प्रतिदिन से बढकऱ 2023-24 में 14.54 किलोमीटर प्रतिदिन हो गई है। 2014-2024 के दौरान भारतीय रेलवे ने 41,655 रूट किलोमीटर (आरकेएम) का विद्युतीकरण किया है, जबकि 2014 तक यह आंकड़ा केवल 21,413 रूट किलोमीटर था।

इस वर्ष के बजट में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए अतिरिक्त धनराशि आवंटित की गई

है। ये धनराशि रणनीतिक नोड्स पर औद्योगिक क्लस्टर विकसित करने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे का समर्थन करेगी: विशाखापत्तनम-चेन्नई औद्योगिक गलियारे पर कोप्पार्थी, आंध्र प्रदेश में हैदराबाद-बेंगलुरु औद्योगिक गलियारे पर ओर्वाकल और बिहार में अमृतसर-कोलकाता औद्योगिक गलियारे पर गया। इस पहल का उद्देश्य भारत के पूर्वी क्षेत्र में औद्योगिक विकास को गति देना है।

रेलवे ने बुनियादी ढांचे के विकास के लिए एक नया दृष्टिकोण अपनाया है। मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी को सक्षम करने के लिए पीएम गति शक्ति मिशन के तहत तीन आर्थिक रेलवे कॉरिडोर- ऊर्जा, खनिज और सीमेंट कॉरिडोर (192 परियोजनाएं); बंदरगाह कनेक्टिविटी कॉरिडोर (42 परियोजनाएं) और उच्च यातायात घनत्व कॉरिडोर (200 परियोजनाएं) की पहचान की गई है। क्षमता वृद्धि, उच्च घनत्व वाले नेटवर्क की भीड़भाड़ को कम करना, देश में लॉजिस्टिक्स लागत में कमी लाना, यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाना और उनकी सुरक्षा सरकार के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्र बने हुए हैं।

बजट को लेकर सदन के बाहर और अंदर विपक्ष का हंगामा,विपक्षी सांसदों ने राज्यसभा से वॉकआउट किया,बजट को बताया भेदभावपूर्ण

नई दिल्ली (आरएनएस)। 23 जुलाई को वित् मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए केंद्रीय बजट को इंडिया गठबंधन ने कुर्सी बचाओ बजट और भेदभावपूर्ण बजट बताया है। संसद की कार्यवाही शुरू होते ही संसद के दोनों सदनों में विपक्ष ने जोरदार हंगामा करते हुए नारेबाजी की,विपक्षी सांसदों ने राज्यसभा से वॉकआउट किया।संसद की कार्यवाही शुरू होने से पहले विपक्षी सांसदों ने प्रदर्शन किया. इसमें सोनिया, राहुल गांधी और अखिलेश यादव भी शामिल हुए। कांग्रेस ने ट्वीट कर लिखा मोदी सरकार का ये बजट भारत के संघीय ढांचे के खिलाफ है।इस बजट में कई राज्यों के साथ भेदभाव किया गया है।इसी अन्याय के खिलाफ इंडिया गठबंधन के नेताओं ने संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया।हमारी ये लड़ाई सडक़ से संसद तक जारी रहेगी।

कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खडग़े ने कहा, यह बजट सिर्फ अपने सहयोगियों को संतुष्ट करने के लिए है... उन्होंने किसी को कुछ नहीं दिया।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, समर्थन मूल्य किसान को ना देकर गठबंधन के साथियों को दे रहे हैं... उत्तर प्रदेश को बड़े सपने दिखाए थे, क्या मिला उत्तर प्रदेश को? डबल इंजन की सरकार है तो डबल लाभ मिलना चाहिए था, दिल्ली का लाभ लखनऊ का लाभ लेकिन लगता है कि दिल्ली अब लखनऊ की ओर नहीं देख रही है या लखनऊ वालों ने दिल्ली वालों को नाराज कर दिया उसका परिणाम बजट में दिखाई दे रहा है... विकास बिहार जा रहा है तो उत्तर प्रदेश को क्यों छोड़ रहे हैं? बाढ़ अगर बिहार की रोकनी है तो नेपाल और उत्तर प्रदेश की बाढ़ रोके बिना आप बिहार की बाढ़ कैसे रोकेंगे? आप पहले उत्तर प्रदेश और नेपाल की बाढ़ रोके तो बिहार की बाढ़ अपने आप रुक जाएगी।

शिवसेना (क्वच्ज्) नेता संजय राउत ने कहा, बजट देश का होता है, यह देश का बजट नहीं है। बजट सरकार बचाने के लिए नहीं होता है।

समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन ने कहा, हम बस इतना चाहते हैं कि वे (केंद्र) सच बोलें और देश के युवाओं को गुमराह न करें...वे नौकरियां कैसे पैदा करेंगे? उन्होंने राज्यों को भी गुमराह किया है। यहां तक कि बिहार को भी गुमराह किया गया है, राज्य को कुछ नहीं दिया गया है।

आप सांसद राघव चड्ढा ने कहा, ...ये कमाल का बजट इजात किया गया है जिसमें लगभग इस देश का हर वर्ग निराश हुआ है मात्र 2 व्यक्तियों को छोड़ कर नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू।

महत्वपूर्ण एवं खास

कार और ऑटो रिक्शा के बीच आमने-सामने जबरदस्त भिड़ंत, डेढ़ वर्षीय बच्चे समेत 6 की मौत

गुवाहाटी (आरएनएस)। असम के करीमगंज जिले में मंगलवार को एक सडक़ हादसे में डेढ़ साल के एक बच्चे सहित कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, नीलाम बाजार इलाके में दो वाहनों के बीच आमने-सामने की टक्कर में यह दुर्घटना हुई। पुलिस अधीक्षक पार्थ प्रतिम दास ने बताया, कार और ऑटो रिक्शा के बीच आमने-सामने की टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई। उनके अलावा, दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हैं। उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। मृतकों में से पांच की पहचान जाहेदा बेगम, बेदाना बेगम, हसीना बेगम, गुलजार हुसैन और रूहुल आलम के रूप में हुई है। अधिकारियों के अनुसार, मृतकों में से पांच एक ही परिवार के सदस्य थे, जबकि रूहुल आलम ऑटो रिक्शा चला रहा था, जिसे विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। कार का चालक और सह-यात्री भी घायल हो गए। घायल यात्रियों को अस्पताल भेजा गया, जबकि मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

ट्राली पलटने से हरदा के सावलखेड़ा के तीन ग्रामीणों की मौत

हरदा /मोरगढ़ी (आरएनएस)। जिले के अंतिम सीमा पर बसे मोरगढ़ी गांव से पांच किमी दूर बड़ा हादसा हो गया। ट्राली लटने से उसमें सवर छीपाबड़ थाना क्षेत्र के सावलखेड़ा गांव निवासी तीन ग्रामीणों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में कुल बीस ग्रामीण घायल हुए, जिनमें से सात गंभीर घायलों को खंडवा जिला अस्पताल रेफर किया गया। मंगलवार दोपहर दो से तीन बजे के बीच यह हादसा आवलिया-मोरगढ़ी रोड पर सेमल्या फाटे के पास हुआ। सालवखेड़ा के ग्रामीण ट्रैक्टर ट्राली से तीजा के कार्यक्रम में खलदाना चौकी रोशनी, थाना खालवा गए हुए थे। तीजा का कार्यक्रम करने के बाद सभी वापस अपने गांव सांवलखेड़ा आ रहे थे। ट्राली पलटने से सभी हादसे का शिकार हो गए। मृतकों में गुलाबबाई दवेड़ा जाति कोरकू, सुंदरबाई कलमे जाति कोरकू, उम्र 45 साल तथा छन्नू कोरकू सभी निवासी सालवखेड़ा हैं। हादसे में घायल हुए उनमें मांगीलाल देवड़ा उम्र 68 साल, रामधार, समोतीबाई, मीनाबाई, रामकली, जयराम, शंकर, शिवराम, मुंशी, राजाराम, कांठीबाई घायल हुए हैं।

लालू प्रसाद यादव की तबीयत बिगड़ी, दिल्ली एम्स में भर्ती

नई दिल्ली (आरएनएस)। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की मंगलवार देर रात को अचानक तबीयत बिगड़ गई, इसके बाद उन्हें दिल्ली के एम्स अस्पताल में एडमिट करवाया गया है। डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही है और इसके साथ ही अब उनकी हालत स्थिर बताई गई है। हालांकि डॉक्टरों की तरफ से अभी कोई बयान सामने नहीं आया है। लालू प्रसाद यादव के साथ उनके परिवार के लोग अस्पताल में मौजूद हैं।

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के कैंपस में फायरिंग, 2 कर्मचारी घायल; हमलावर को लोगों ने दबोचा

नई दिल्ली । आरएनएस

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के कैंपस में फायरिंग का मामला सामने आया है। जानकारी के मुताबिक 2 कर्मचारियों पर फायरिंग की गई। घटना के बाद सुरक्षाकर्मियों ने 2 हमलावरों को पकड़ लिया है। इसके अलावा फायरिंग के दौरान घायल दोनों लोगों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। घटना के बाद अफरा-तफरी का माहौल हो गया। गोली चलते ही आस-पास मौजूद सुरक्षाकर्मी चौकन्ने हो गए और हमलावरों को तुरंत धर दबोचा। पुलिस को मामले की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची और आगे की जांच की जा रही है।

पिछले साल सितंबर में अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में फायरिंग का मामला सामने आया था। जनाकारी के मुताबिक, घटना को अंजाम देने वाले बदमाश

कैंटीन संचालक से हफ्ता मांग रहे थे। जब कैंटीन संचालक ने हफ्ता देने से इनकार कर दिया तो आरोपियों ने वहां फायरिंग कर दी। यह वारदात जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के स्पेशल वार्ड के पास स्थित कैंटीन के बाहर हुई थी। आधा दर्जन से ज्यादा फायरिंग के चलते मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया था। इस घटना में एक महिला घायल हो गई थी। बताया गया कि कैंटीन के विवाद को लेकर यहां पहले भी लड़ाई और फायरिंग हो चुकी है।

3 इडियट्स फिल्म जैसा सीन, बाढ़ में फंसी महिला; डॉक्टर ने कॉल पर कराया बच्चे का जन्म

सिवनी । आरएनएस

इन दिनों मध्य प्रदेश में बारिश का दौर जारी है। इन विपरीत हालातों के बीच भी सरकारी अमला जिम्मेदारी का बेहतर तरीके से निर्वहन कर रहा है। इसकी मिसाल है सिवनी जिला। जहां बाढ़ में फंसी एक महिला का प्रसव कराया गया। राज्य के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने स्वास्थ्य अमले की कर्तव्य निष्ठा की सराहना की है और जच्चा-बच्चा को बधाई दी है।

मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार को सिवनी जिले में भारी बारिश के कारण बाढ़ से कई गांवों का संपर्क टूट गया, जिनमें से एक

जोराबाड़ी गांव भी शामिल था। इस गांव में गर्भवती महिला रवीना बंशीलाल उइके को अचानक प्रसव पीड़ा होने लगी। परिवार ने उन्हें जिला अस्पताल सिवनी ले जाने का प्रयास किया, लेकिन सभी रास्ते बंद थे। परिवार ने आशा कार्यकर्ता से संपर्क किया, जो पहले से ही जिला अस्पताल में थी। आपातकालीन स्थिति में, आशा कार्यकर्ता ने जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीषा सिरसाम को सूचना दी। डॉ. सिरसाम ने कलेक्टर संस्कृति जैन को स्थिति से अवगत कराया। कलेक्टर ने तुरंत चिकित्सकीय दल को गांव भेजने के निर्देश दिए।

बताया गया है कि अधिकारियों के निर्देश मिलने के बाद डॉ. मनीषा सिरसाम, नर्स सुनीता यादव, मेंटर कविता वाहने और आशा कार्यकर्ता कामता मरावी के साथ एसडीआरएफ टीम गांव के समीप पहुंची, लेकिन नाले में अधिक जलस्तर के कारण रुक गई। ऐसी स्थिति में डॉ. सिरसाम ने फोन पर गांव की प्रशिक्षित दाई को निर्देश दिए। दाई ने निर्देशों का पालन करते हुए रवीना का सुरक्षित प्रसव कराया। बाढ़ का पानी कम होने पर, चिकित्सकीय दल जच्चा और बच्चा को 108 वाहन से लेकर जिला अस्पताल पहुंचाया। मां और जुड़वा बच्चे स्वस्थ हैं। राज्य के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने विषम परिस्थितियों में भी जनसेवा की भावना को प्राथमिकता देकर कर्तव्यनिष्ठा की मिसाल पेश करने वाली सिवनी की डॉ. मनीषा सिरसाम की सराहना की और कहा कि मानव सेवा ही देव सेवा है।

कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस मुस्तैद, कई मार्ग परिवर्तित, अधिकारियों ने किया निरीक्षण

नोएडा । आरएनएस

कांवड़ यात्रा को लेकर नोएडा और गाजियाबाद में पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है। पुलिस के आला अधिकारी तैयारियों का निरीक्षण करने लगातार कांवड़ मार्ग और अन्य जगहों पर पहुंच रहे हैं। कांवड़ यात्रा को देखते हुए नोएडा और गाजियाबाद दोनों जगह पर डाइवर्जन लागू किया गया है।नोएडा में भी कांवड़ यात्रा मार्ग का जॉइंट सीपी के साथ अन्य अधिकारियों ने निरीक्षण किया। कांवड़ यात्रा मार्ग पर पर्याप्त मात्रा में पुलिस फोर्स लगा दी गई है। नोएडा के ज्वाइंट सीपी ने दूसरे स्टेट के पुलिस अधिकारियों से भी बातचीत करके कांवड़ यात्रा के लिए समन्वय बनाया है।

नोएडा में जॉइंट सीपी के साथ बम स्क्वायड, डॉग स्क्वाड और अन्य फोर्स ने भी कांवड़ यात्रा मार्ग की चेकिंग की है। वहीं गाजियाबाद में भी पुलिस ने भारी वाहनों के बाद हल्के वाहनों के लिए भी ट्रैफिक

एडवाइजरी जारी की है। जिसके मुताबिक कई ऐसे मार्ग है जहां पर 27 जुलाई से लेकर 5 अगस्त तक प्राइवेट वाहनों का भी जाना पूरी तरीके से बंद रहेगा और साथ ही साथ वहां चलने वाले ऑटो रिक्शा को भी इन मार्गों पर चलने की अनुमति नहीं होगी।

इसके साथ ही कई ऐसे मार्ग है जहां पर 29 जुलाई की रात 12 बजे से पूरी तरीके से सभी वाहनों का आवागमन बंद हो जाएगा। गाजियाबाद यातायात विभाग द्वारा जारी की गई ट्रैफिक एडवाइजरी के मुताबिक हल्के मोटर वाहनों (निजी चार पहिया, हल्के मालवाहक वाहन और ऑटो) का रूट डायवर्जन 27 जुलाई को रात 12 बजे से 5 अगस्त को 8 बजे तक के लिए जारी किया गया है। जिसके मुताबिक गंगनहर पटरी कांवड़ मार्ग एवं पाइपलाइन मार्ग पर सभी वाहनों का आवागमन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 34 (पूर्व में एनएच-58) पर मोहननगर, मेरठ तिराहा, राजनगर एक्सटेंशन, हापुड़ चुंगी से मेरठ की ओर वाहनों की आवाजाही को सिंगल लेन चलने की अनुमति दी जाएगी। हालांकि इस मार्ग पर वाहनों की आवाजाही 29 जुलाई रात 12 बजे से पूरी तरह बंद कर दी जाएगी। ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के माध्यम से पलवल, कुंडली से आने वाले वाहनों को 29 जुलाई रात 12 बजे से दुहाई चौराहे से गाजियाबाद सिटी, मुरादनगर, मोदीनगर साइड की ओर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

ये सभी वाहन डासना चौराहे और फिर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 9 का उपयोग करके अपने गंतव्य तक पहुंचेंगे। मेरठ तिराहा से मोहननगर, सीमापुरी सीमा की ओर जाने वाले वाहन एक विपरीत लेन में चलेंगे। इस मार्ग पर भी 29 जुलाई से आवागमन बंद रहेगा। ट्रैफिक एडवाइजरी के मुताबिक चौधरी मोड़, न्यू बस स्टैंड, गौशाला फाटक, हापुड़ तिराहा कैला भट्टा की ओर से दूधेश्वर मंदिर की ओर तथा पटेल नगर फ्लाईओवर पर भी वाहनों का आवागमन पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। इसके साथ ही गीता चौक, घूकना मोड़, डीपीएस कट, सिहानी चुंगी, संजय नगर फ्लाईओवर से राष्ट्रीय राजमार्ग-34 (पूर्व में एनएच-58) की ओर जाने वाले वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेंगे।

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़, एक आतंकी ढेर; एक जवान घायल

श्रीनगर । आरएनएस

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच रात से मुठभेड़ जारी है। एनकाउंटर के बीच सुरक्षाबलों के जवानों ने एक आतंकी को ढेर कर दिया है। मुठभेड़ में सेना का एक जवान भी घायल है। बता दें कि सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच यह मुठभेड़ जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा की लोलाब घाटी के त्रिमुखा टॉप पर जारी है। सुरक्षाबलों ने आतंकियों को उस समय घेर लिया जब वह वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास जंगल में भागने की कोशिश कर रहे थे।

एक दिन पहले ही 23 जुलाई को पुंछ के बट्टल सेक्टर में सुरक्षाबलों ने आतंकियों को बैकफुट पर ला दिया था। हालांकि, भारी गोलीबारी में सेना का एक जवान घायल हो गया था, जो इलाज के दौरान शहीद हो गया। सेना के मुताबिक, जवान अलर्ट थे। हाल ही में 17 जुलाई को भी जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में मुठभेड़ हुई थी, जिसमें दो आतंकी ढेर हो गए थे। एनकाउंटर नॉर्थ कश्मीर के कुपवाड़ा के केरन सेक्टर के नजदीक रुहष्ट के पास हुआ था। इससे पहले डोडा के कास्तीगढ़ इलाके में मुठभेड़ होने की बात सामने आई थी। इस मुठभेड़ में सेना का एक जवान घायल हुआ था। बता दें कि पिछले कुछ महीनों में जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों में इजाफा हुआ है। इसके बाद सेना ने भी अपने ऑपरेशन तेज कर दिए हैं।

महाराष्ट्र और गुजरात में बाढ़ का कहर, गढ़चिरौली में डूबे कई गांव, कच्छ में बही 15 गायें

गढ़चिरौली । आरएनएस

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में पिछले कई दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण नदी और नाले उफान पर हैं। बाढ़ के चलते करीब 15 गांव पानी में डूब गए हैं। आवागमन में भी खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।गढ़चिरौली में भारी बारिश की वजह से हालात लगातार खराब होते जा रहे हैं। बाढ़ का पानी कई गांवों के अंदर तक घुस गया है। इससे ग्रामीणों को खाने-पीने के लिए परेशानी उठानी पड़ रही है।

वहीं, प्रशासन की ओर से बाढ़ से निपटने के लिए खास इंतजाम किए हैं। बाढ़ के हालातों के चलते एहतियात के तौर पर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों मार्गों को बंद कर दिया गया है। जिससे लोगों को आने-जाने में परेशानी हो रही है।

गुजरात के कच्छ में भी बाढ़ का कहर जारी है। भारी बारिश के कारण अवड़ासा स्थित संघाना नदी में बाढ़ आ गई। इससे बेहद दर्दनाक हादसा हुआ। बाढ़ की चपेट में आने से करीब 15 गायें नदी में बह गईं।

गुजरात के कई जिलों में भारी बारिश के कारण हालात बिगड़ गए हैं। सरकार ने बाढ़ की स्थिति को देखते हुए प्रभावितों तक हर संभव मदद पहुंचाने का निर्देश दिया है। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल ने बाढ़ प्रभावित कई जिलों का हवाई निरीक्षण भी किया।

सीएम भूपेंद्रभाई पटेल ने एक्स पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सौराष्ट्र के तटीय जिलों में भारी बारिश के कारण पैदा हुए हालातों का जायजा लिया।

जामनगर और द्वारका जिलों के गांवों का हवाई निरीक्षण करने के बाद दोनों जिलों के अधिकारियों व पदाधिकारियों के साथ बैठक की और राहत एवं बचाव उपायों की समीक्षा की।

उन्होंने कहा, भारी बारिश के दौरान लोगों की सुरक्षा के लिए जिला प्रशासन को तेजी के साथ काम करने का निर्देश दिया है। साथ ही उन्हें यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए हैं कि विस्थापित लोगों को सभी बुनियादी सुविधाएं मिलें।

त्रिशुली नदी में डूबे दो बसों और लापता यात्रियों की खोज के लिए भारत से एनडीआरएफ की टीम नेपाल पहुंची, अब तक 23 शव बरामद

प. चम्पारण (आरएनएस)। नेपाल के त्रिशुली नदी में भूस्खलन के कारण डूबे दो बसों और लापता यात्रियों की खोज के लिए भारत से एनडीआरएफ की टीम नेपाल पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया है। नेपाल की ओर से चलाए जा रहे रेस्क्यू में अब तक बसों के साथ ही शवों को नही ढूंढा जा सका जिसके बाद भारतीय एनडीआरएफ के जवानों को अभियान की जिम्मेदारी सौंपी गई है जो नेपाल के विभिन्न इलाकों में नेपाल की पुलिस फोर्स के साथ मिलकर तलाशी कर रही हैं। टीम ने चितवन के सिमलताल से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया है।नेपाल सरकार की ओर से किए गए आग्रह के बाद भारत सरकार ने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन बल के सदस्यों को भेजा है।दोनों बसों का सुराग नहीं मिल पाया है। दोनों बसों में 62 यात्री थे। अबतक 23 यात्रियों के शव ही बरामद हो पाए है। अब तक रेस्क्यू ऑपरेशन की कमान नेपाल सशस्त्र पुलिस बल सम्भाल रही थी। घटनास्थल से 150 किलोमीटर दूर अधिकांश शव मिले हैं। नदी की तेज धारा में अधिकांश लोगों के शव निचले इलाकों तक पहुंच गए हैं।